चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 26.6.2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 1-2

प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न, सूत्रकृमियों का महत्व बताया

मुख्य अतिथि डा. एसके सहरावत प्रशिक्षणार्थी को प्रमाणपत्र वितरित करते हुए।

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा मौलिक तकनीक एवं मुख्य पादप सूत्रकृमियों की पहचान विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। डा. सहरावत ने इस अवसर पर कृषि में सूत्रकृमियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सूत्रकृमियों की समस्या बागवानी व सरंक्षित खेती में दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके लिए सूत्रकृमियों और उन द्वारा उत्पन्न लक्षणों की पहचान अति आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कोर्स प्रशिक्षणार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का विमोचन किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एमएस सिद्धपुरिया ने अनुसंधान निदेशालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स संयोजक डा. आरएस कंवर ने कोर्स की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। जबकि सयुक्त मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. मंजु महता ने मंच का संचालन किया। डा. अनिल कुमार ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और डा. केके वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस मौके पर विभाग के सभी वैज्ञानिक एवं छात्रों के अतिरिक्त पूर्व विभागाध्यक्ष डा. एचके बजाज, डा. आइजे परूथी, डा. पीपीएस बघेल, डा. केआर डाबर, डा. आरके वालिया आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 26.6.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3

सूत्रकृमियों से उत्पन्न लक्षणों की पहचान जरूरी : डॉ. सहरावत

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा मौलिक तकनीक एवं मुख्य पादप सूत्र कृमियों की पहचान विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे। डॉ. सहरावत ने इस अवसर पर कृषि में सूत्र कृमियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा सूत्र कृमियों की समस्या बागवानी व संरक्षित खेती में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके लिए सूत्र कृमियों तथा उन द्वारा उत्पन्न लक्षणों की पहचान अति आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का विमोचन किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने अनुसंधान निदेशालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स संयोजक डॉ. आरएस कंवर ने कोर्स की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला, जबकि संयुक्त मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने मंच का संचालन किया। डॉ. अनिल कुमार ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर विभाग के सभी वैज्ञानिक एवं छात्रों के अतिरिक्त पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एचके बजाज, डॉ. आईजे परूथी, डॉ. पीपीएस बघेल, डॉ. केआर डाबर, डॉ. आरके वालिया आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 26.6.2019 पृष्ठ सं. ..... कॉलम .....

शिविर के समापन पर प्रतिभागी को प्रमाण पत्र वितरित करते अनुसंधान निदेशक।

बागवानी में बढ़ रही सूत्र कृमियों की समस्या : सहरावत

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय एवं सूत्र कृमि विज्ञान विभाग की तरफ से मौलिक तकनीक एवं मुख्य पादप सूत्र कृमियों की पहचान विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे।

डॉ. सहरावत ने कहा कि सूत्र कृमियों की समस्या बागवानी व संरक्षित खेती में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके लिए सूत्र कृमियों और उन द्वारा उत्पन्न लक्षणों की पहचान अति आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कोर्स प्रशिक्षणार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का विमोचन किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने अनुसंधान निदेशालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व सूत्र कृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स संयोजक डॉ. आरएस कंवर ने कोर्स की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संयुक्त मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. केके वर्मा, डॉ. एचके बजाज, डॉ. आईजे परुथी, डॉ. पीपीएस बघेल, डॉ. केआर डाबर, डॉ. आरके वालिया आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... हैलो हिसार .....

दिनांक 25.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 4 ..... कॉलम ..... 6-8 .....

हकृवि में सूत्रकृमि मौलिक तकनीकों पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार : 25 जून चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा मौलिक तकनीक एवं मुख्य पादप सूत्रकृमियों की पहचान विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत मुख्य अतिथि थे।

डॉ. सहरावत ने इस अवसर पर बोलते हुए कृषि में सूत्रकृमियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा सूत्रकृमियों की समस्या बागवानी व सरंक्षित खेती में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके लिए सूत्रकृमियों तथा उन द्वारा उत्पन्न लक्षणों की पहचान अति आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई की यह कोर्स प्रशिक्षणार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का विमोचन किया।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने अनुसंधान निदेशालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स संयोजक डॉ. आर.एस. कंवर ने कोर्स की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि सयुक्त मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने मंच का संचालन किया। डॉ. अनिल कुमार ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और डॉ. के.के. वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पाठक पक्ष........
दिनांक 25-6-2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....1-2....

सूत्रकृमि मौलिक तकनीकों पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 25 जून (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा मौलिक तकनीक एवं मुख्य पादप सूत्रकृमियों की पहचान विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत मुख्य अतिथि थे। डॉ. सहरावत ने इस अवसर पर बोलते हुए कृषि में सूत्रकृमियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा सूत्रकृमियों की समस्या बागवानी व संरक्षित खेती में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके लिए सूत्रकृमियों तथा उन द्वारा उत्पन्न लक्षणों की पहचान अति आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई की यह कोर्स प्रशिक्षणार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का विमोचन किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने अनुसंधान निदेशालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स संयोजक डॉ. आर.एस. कंवर ने कोर्स की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि सयुक्त मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता ने मंच का संचालन किया। डॉ. अनिल कुमार ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और डॉ. के.के. वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस मौके पर विभाग के सभी वैज्ञानिक एवं छात्रों के अतिरिक्त पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एच.के. बजाज, डॉ. आई.जे. परूथी, डॉ. पी.पी.एस. बघेल, डॉ. के.आर. डाबर, डॉ. आर.के. वालिया आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी पल्स .....

दिनांक 25.6.2019 पृष्ठ सं. ..... 3 ..... कॉलम ..... 1-4 .....

कार्यक्रम | प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए व प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का किया विमोचन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सूत्रकृमि मौलिक तकनीकों पर प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय एवं सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा मौलिक तकनीक एवं मुख्य पादप सूत्रकृमियों की पहचान विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत मुख्य अतिथि थे।

डॉ. सहरावत ने इस अवसर पर बोलते हुए कृषि में सूत्रकृमियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा सूत्रकृमियों की समस्या बागवानी व सरक्षित खेती में प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके लिए सूत्रकृमियों तथा उन द्वारा उत्पन्न लक्षणों की पहचान अति आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कोर्स प्रशिक्षणार्थियों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए और प्रशिक्षण से संबंधित सीडी का विमोचन किया।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. एसके सहरावत प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने अनुसंधान निदेशालय की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व सूत्रकृमि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स संयोजक डॉ. आरएस कंबर ने कोर्स की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला जबकि सयुक्त मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने मंच का संचालन किया। डॉ. अनिल कुमार ने सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी और डॉ. केके वर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

इस मौके पर विभाग के सभी वैज्ञानिक एवं छात्रों के अतिरिक्त पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एचके बजाज, डॉ. आईने परुथी, डॉ. पीपीएस बघेल, डॉ. केआर डाबर, डॉ. आरके वालिया आदि उपस्थित थे।